5–5–67 ओमशांति रात्रीक्लास

बच्चों को गोले पर भी बहुत अच्छा समझाना चाहिए। संगम पुरुषोत्तम अक्षर भी लिखना है। और संगम को थोड़ा बड़ा करना चाहिए। तो क्लीयर लिख सकेंगे। बच्चों को बुद्धि में यह रहना चाहिए कि हम पुरुषोत्तम संगमयुग पर हैं। आप आये हैं पुरुषोत्तम बना रहे हैं। माताओं को तो उछलना चाहिए। अभीतो शेरणी नहीं बनी हैं। जबकि योगबल से उछल खावे ,सर्विस का शौक हो। जब सर्विस करें तब उंच पद पा सकेंगे। अपने हमजिंस को भक्तिमार्ग की अनेक प्रकार की जंजीरों से छुड़ाना है। तुम अपना जीवन बनाओ ;परंतु पति में बच्चों में फंसी रहती है। बादलों को तो रिफ्रेश होकर फिर जाकर सर्विस करनी चाहिए। इस सारी दुनियां से नष्टोमोहा होना है। नष्टोमोहा वा मोहजीत बात एक ही है। जिस चीज का विनाश होना है उस चीज में मोह रखकर क्या करेंगे? सबसे मोह निकालने हैं। समझो पति मर जावे तो हम रोवेंगे क्यों?वो तो दुःख देने वाला है। अब तो बाप क्षीर सागर में ले जाने लिए आये हैं। अबलओं को विकार के कारण सहन करना पड़ेगा। कहना पड़ेगा हम तो विख नहीं देंगे। जाकर शादी करो। नष्टोमोहा पक्के होने चाहिए। भारत की शिवशक्ति गाई हुई हैं। तुम हो अहिंसक। किसको भी दुःख नहीं देते हो। दुनियां में अननोन वारियर्स कोई होते नहीं हैं। अननोन हैं तो फिर उनका कब्र क्यों बनाते हो?अननोन हो तुम गुप्त हो ना। बाप भी गुप्त तो तुम भी गुप्त। बाप गुप्त हो पढ़ाते हैं। तो एक मत पर चलना चाहिए। दूसरा कोई उल्टा–सुल्टा बोले तो कुछ नहीं सुनना चाहिए। तुम्हारा ही गायन है कि खुशी गोप–गोपियों से पूछो। तुम ब्राह्मण गाये जाते हो। तुम पूजे नहीं जाते हो। पतित–पावन की तुम औलाद हो। पूजने लायक देवतायें हैं जिनकी आत्मा और शरीर दोनों ही प्योर है। अब तुम पूज्य सो पुजारी बने। आधा कल्प पुजारी बन जाते हो। फिर आधा कल्प के पूजनीय लायक बनते हो। यह ज्ञान अंदर मंथन करना चाहिए। गुडनाइट। 6–5–67

रात्रीक्लास – वास्तव में पहले2 परिचय यही देना चाहिए कि हम प्रजापिता ब्र.कु.कु. कैसे बने?हम ब्रह्मा के भी बच्चे तो ब्रह्मा है शिवबाबा का बच्चा। गोया हम शिवबाबा के पोत्रे–पोत्रियां ठहरे। शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा रचते हैं तो ब्राह्मण ठहरे। तो अब बाप रच रहे हैं। हम उनके बच्चे बनकर वर्सा ले रहे हैं। लिखो। सुनते हैं ,समझते कुछ भी नहीं हैं। जैसे भक्तिमार्ग में एम ऑब्जेक्ट कुछ नहीं तो समझते भी कुछ नहीं। ऐसे2 समझाना चाहिए जो कि उनकी बुद्धि में बैठे। देखना चाहिए हमारे कुल का है। इसमें बड़ी विशाल बुद्धि चाहिए जो कि रीड कर सके। देखो उनको कोई थोड़ा–बहुत असर होता है। तो समझो कि वो हमारे ब्राह्मण कुल का है। नब्ज देखनी चाहिए। नही ंतो 8/10 दिनों तक तिक2 करते रहते हैं। कुछ भी समझेंगे नहीं। बच्चों का समय भी वेस्ट होगा। जिनको निश्चय होगा तो वो समझेंगे कि हम भी ब्र.कु.कु. है। हम भी बाप से वर्सा पा लेवें। बहुत बच्चे समझते हैं कि यह अच्छा प्रभावित हुआ ;लेकिन बाप तो कहते हैं कि वो कुछ भी समझा नहीं है। इसलिए बाबा कहते हैं कि बोलो लिखकर आओ। समझाने वाले समझ नहीं सकेंगे। जांच करने लिए बुद्धि बहुत अच्छी चाहिए। बाप से जिनका योग ही नहीं तो उनका बाण ही क्या तीखा होगा?वो कटी हुई छुरी जैसा बाण होगा। योग पक्का होगा तो खुशी से बाण लगावेंगे तो लग भी जावेगा। बड़े2 विद्वान ,आचार्य ,पंडित तो तुम्हारी जूती भी नहीं हैं। एक दिन समझेंगे जरूर कि इनमें भी बाण भरने वाला भगवान जरूर है। अच्छे2 भी याद नहीं करते हैं। बाण में असर होगा ना। अभी बाण नहीं लगता है ; क्योंकि योग नहीं है। योग में बहुत कमजोर हैं। अच्छे2 भी याद नहीं करते हैं। बच्चे होकर बाप को याद नहीं करे तो मूर्ख ठहरे ना। योग ना होने कारण ही भूले करते रहते हैं। पता भी नहीं पड़ता है कि हम किससे बात करते हैं। समझते हैं कि ब्रह्मा बोलते हैं। शिवबाबा सिर्फ सुबह में आते हैं। बाबा तो हमेशा कहते हैं कि हमेशा शिवबाबा ही समझो। ओम।